



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशन
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 377]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 5, 1990/भाद्र 14, 1912

No. 377]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 5, 1990/BHADRA 14, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विस्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1990

ग. 33/90-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (एन टी.)

सा. का. सि. 757(अ) :- केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 19खख के उपनियम (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सभी उत्पाद शुल्क माल को (जिसे इस अधिसूचना में इसके पश्चात् "मध्यवर्ती माल" कहा गया है) ऐसे माल के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जिसका विनिर्माण के स्थान से हटाया जाता सभी वस्तुओं के (जिन्हें इस अधिसूचना में इसके पश्चात् "परिणामी वस्तुएं" कहा गया है) विनिर्माताओं को प्रदाय के लिए शुल्क के संवाय के बिना निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए अनुज्ञात किया जाएगा, यर्थात् :-

(i) ऐसे मध्यवर्ती माल का विनिर्माण ऐसे किसी विनिर्माता को जो शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र और शुल्क छूट स्क्रीम (जिसे इस अधिसूचना में इसके पश्चात् "प्रतिम निर्यातकर्ता" कहा गया है) के अधीन किसी अधिम अनुज्ञति का धारक है, ऐसे

माल के प्रदाय के लिए कोई अधिम मध्यवर्ती अनुज्ञति धारण करता है या उसने ऐसी अनुज्ञति के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी को आवेदन किया है और उसके लिए पावती अभिप्राप्त कर-ली है ;

(ii) मध्यवर्ती माल का परिणामी वस्तुओं के विनिर्माण में उपयोग के लिए किसी प्रतिम निर्यातकर्ता को किसी अधिम निर्मुक्ति आदेश के मां दे प्रदाय किया जाता है ;

(iii) उत्पाद शुल्क के संदाय के बिना हटाए गए मध्यवर्ती माल की मात्रा किसी प्रतिम निर्यातकर्ता को जारी किए गए शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र के मां ग के उपरलिखित शुल्क छूट हकदारी से अधिक नहीं है ;

(iv) मध्यवर्ती माल का प्रतिम निर्यातकर्ता द्वारा उपयोगन निर्यात की जाने वाले परिणामी वस्तुओं के विनिर्माण के लिए या समान विनिर्देशों और तकनीकी अभिलक्षणों के शुल्क संवत उत्पाद शुल्क मां की पुनः पूति के रूप में उपयोग के लिए किया जाता है जिसका ऐसी परिणामी वस्तुओं के विनिर्माण में उपयोग किया गया है जिसका किसी शुल्क छूट हकदारी प्रमाण-

पत्र के अधीन निर्यात बाध्यताओं के निवृत्ति में पहले ही निर्यात किया जा चुका है :

परन्तु शुल्क संबंध उत्पाद शुल्क माल की पुनः पूर्ति के लिए अभिप्राप्त मध्यवर्ती माल का उपयोग अन्तिम निर्यातकर्ता के कारखाने में और उत्पादन के लिए किया जा सकेगा या उसका ऐसी शर्त में व्यय किया जा सकेगा जो अन्तिम निर्यातकर्ता के कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए ;

- (v) अन्तिम निर्यातकर्ता कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर के पास कारखाने की विविधियों और भूमि रेखांक, प्रत्येक मध्यवर्ती माल और परिणामी वस्तुओं का वर्णन, ऐसी परिणामी वस्तुओं के विनिर्माण की प्रक्रिया और ऐसी अन्य विविधियाँ जो उक्त सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, देकर रजिस्टर कराता है ;
- (vi) अन्तिम निर्यातकर्ता कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर के साथ ऐसी प्रतिभूति का जो उनके द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, इस अधिसूचना से उपपन्न प्रत्येक मध्यवर्ती माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद शुल्क के बराबर रकम का संदाय करने का बंधनबंध करत हुए एक बंधपत्र निष्पादित करता है ;
- (vii) अन्तिम निर्यातकर्ता हर बार जब वह मध्यवर्ती माल अभिप्राप्त करता चाहता है, लिखित रूप में कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय सहायक कलक्टर को आवेदन करता है और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के अध्याय VII के उपबंध जहाँ तक वे एक भाण्डागार से अन्य भाण्डागार को उत्पाद शुल्क माल के संचालन से संबंधित हैं, अपने विनिर्माण, उत्पादन या भाण्डागार के स्थान से अन्तिम निर्यातकर्ता के कारखाने तक मध्यवर्ती माल के संचालन के लिए लागू होंगे ;
- (viii) अन्तिम निर्यातकर्ता मनुष्य लेने की सुकर बनाने के लिए और उन्हें ऐसे परीक्षणों के अधीन करने के लिए जो कारखाने पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा निर्देशित किए जाएं, आवश्यक प्रबंध करता है ;
- (ix) इस अधिसूचना के प्रथम अभिप्राप्त मध्यवर्ती माल पर अन्तिम निर्यातकर्ता द्वारा की गई विनिर्माण प्रक्रिया से पैदा होने वाले किसी अपशिष्ट या उपोत्पाद की—
- (क) शुल्क के संदाय पर निकासी की जाएगी, या
- (ख) वह परिणामी वस्तुओं के विनिर्माण के लिए पुनः उपयोग के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा, या
- (ग) यदि और उपयोग के लिए अनुपयुक्त पाया जाता है तो उसे सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के अधिकारी को पर्यवेक्षण के अधीन नष्ट कर दिया जाएगा ;

(x) अन्तिम निर्यातकर्ता शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो अनुज्ञापन प्राधिकारी या समिति द्वारा अनुज्ञात किया जाए, परिणामी वस्तुओं का निर्यात करता है ;

(xi) मध्यवर्ती उत्पाद, अर्थात्, नाइलान फाइबर, नाइलान सूत, नाइलान कैंब्रिक, पालियस्टर फाइबर, पालियस्टर सूत, पालियस्टर कैंब्रिक, स्टेनलेस स्टील चापरे, स्टेनलेस पट्टियाँ, शुल्कीय टेप, बहुमूल्य धातु बहुमूल्य धातु से ठीकी हुई धातु और उनकी वस्तुओं

से बने हुए परिणामी उत्पादों का निर्यात केवल निम्नलिखित के द्वारा ही किया जा सकेगा—

- (क) काँडला, मुम्बई, नवश्रीवा, कोचीन, मद्रास, विशाखापटनम और कलकत्ता का कोई समुद्र पत्तन, या
- (ख) मुम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास और बंगलूर का कोई वायु पत्तन, या
- (ग) दिल्ली और बंगलूर का कोई वायुमय कस्टमर डिपो ;
- (xii) अन्तिम निर्यातकर्ता शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र को भाग घ, ङ, च और छ के प्रथम विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा में मध्यवर्ती माल और परिणामी वस्तुओं और उनके निर्यात का लेखा रखता है ;
- (xiii) अन्तिम निर्यातकर्ता अपने (x) में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के तीस दिन के भीतर, पोत परिवहन पत्रों, बहन पत्रों और शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र का प्रमाणित प्रतियों के साथ परिणामी वस्तुओं के निर्यात को उपस्थित करने वाले प्रोफार्मा के भाग च में सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा की गई समुचित प्रविष्टियों सहित अपने (xii) में विनिर्दिष्ट प्रोफार्मा में रखे गए लेखाओं का एक बिलगत विवरण प्रस्तुत करेगा :

स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना के प्रयोग के लिए—

- (क) अग्रिम अनुज्ञप्ति, “अग्रिम मध्यवर्ती अनुज्ञप्ति” और “शुल्क छूट स्कीम” के वही अर्थ होंगे जो उनके समय-समय पर यथा-संशोधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं. 1-आइटीसी (पीएन)/90-93 तारीख 30 मार्च, 1990 द्वारा यथा प्रकाशित आयात-निर्यात नीति अप्रैल-1990 मार्च, 1993 वाल्यूम 1 के अध्याय Xix में समुद्देशित हैं ।
- (ख) “समिति” से केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के मुख्य आयात-निर्यात नियंत्रक के कार्यालय की हस्तक्षेप प्रवृत्त कार्यालय स्थापन सं. 3/54/75-इपीसी-तारीख 3 दिसम्बर, 1975 और परिपत्र सं. 9/30-85 इपीसी, तारीख 28 जून, 1985 के अधीन गठित तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर पुनर्गठित अन्तर्विभागीय समिति अभिप्रेत है ।
- (ग) “शुल्क छूट हकदारी प्रमाणपत्र” और “अग्रिम निर्यात आदेश” के वही अर्थ होंगे जो उनके समय-समय पर यथा-संशोधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की लोक सूचना सं. आइ-आइटीसी (पीएन)/90-93 तारीख 30-3-1990 द्वारा यथा-प्रकाशित प्रथम हस्त पुस्तक के अध्याय 19 में अप्रैल, 1990 मार्च, 1993 वाल्यूम 1 में दिए गए हैं ।
- (घ) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन की गई आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अधीन कोई अनुज्ञप्ति देने के लिए सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है ।

[फा. सं. 0209/57/89-के. उ. शु.-6]
एच. के. मिश्र, धर सचिव

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 191 के अन्तर्गत
अधीन प्रसूचित उत्पाद-शुल्क माल के वस्तुओं के विनिर्माण-
ताओं द्वारा किए जाने वाला बंधपत्र (प्रत्यापूर्ति के साथ)
(जो अक्षर और शब्द लागू न हो उन्हें काट दें)

से/हम जो
निर्याती हैं / हैं जिसे/जिन्हें इसमें इसके पश्चात् बाध्यताधारी कहा

है, भारत के राष्ट्रपति के प्रति (किन्हीं एवम् इसके पश्चात् सरकार कहा गया है) की रकम का सरकार की संवाय करने के लिए संयुक्ततः और पृथक्तः आबद्ध हूँ/हैं और यह संवाय संयुक्ततः और पृथक्तः करने के लिए मैं/हम अपने की और अपने वित्तिक प्रतिनिधियों की आबद्ध करता हूँ/करते हैं।

उक्त आबद्ध बाध्यताधारी ने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर (स्थान) की भारत से बाहर निर्यात के लिए निम्नलिखित वस्तुओं का विनिर्माण करने और उक्त वस्तुओं के विनिर्माण के लिए ऐसे प्रत्येक साल के सामने दी गई मात्रा में, जैसी कि बाध्यताधारी द्वारा प्रेषित हो किन्तु जो इस में इसके नीचे विनिर्दिष्ट बीमा से अधिक नहीं होगी, समय-समय पर उत्पाद शुल्क्य मान, यथास्थिति, उत्पादन या विनिर्माण या भंडारण के स्थान से शुल्क का संवाय किए बिना प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है और उनकी अनुज्ञा एजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र से तारीख द्वारा प्राप्त हो गई है।

वस्तुओं का वर्णन विनिर्माण के लिए प्रेषित उत्पाद शुल्क्य मान मात्रा का वर्णन जो निम्नलिखित बीमा से अधिक न हो।

और सहायक कलक्टर ने बाध्यताधारी से इस बंधपत्र की रकम के लिए प्रत्याभूति के रूप में की नकद रकम। केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर के पक्ष में पृष्ठांकित के कुल अंकित मूल्य की निम्नलिखित प्रतिभूतियाँ; अर्थात् :—

और बाध्यताधारी ने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर को यह प्रतिभूति नकद प्रतिभूति का निक्षेप करके दे दी है;

अब, इस बंधपत्र की शर्त यह है कि उक्त बाध्यताधारी इसके अधीन जारी की गई अधिसूचना के साथ पठित नियम 191 खण्ड के उपबंध के अनुसार सहायक कलक्टर को समाधानप्रवक्ष रूप में वस्तुओं का विनिर्माण और निर्यात करने के लिए बचन देता है;

और यदि बाध्यताधारी अपने आवेदन में विनिर्दिष्ट विनिर्माण की प्रकृति या रीति में परिवर्तन नहीं करता है या उक्त उत्पाद शुल्क्य मान का उपयोग सहायक कलक्टर के पूर्व अनुमोदन के बिना अपने आवेदन में कथित से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए नहीं करता है;

और यदि बाध्यताधारी केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 और समय-समय पर उसके अधीन जारी किए गए सभी संशोधनों के उपबंधों का, जहाँ तक उनका संबंध ऐसी वस्तुओं के विनिर्माण में शुल्क का संवाय किए बिना उत्पाद-शुल्क्य मान के उपयोग और निर्यात के लिए ऐसी वस्तुओं को हटाने से है पालन करता है; और यदि सभी शोषों का, चाहे उत्पाद-शुल्क हो या अन्य विधिपूर्ण प्रभार हों जो उक्त वस्तुओं और साल पर माने जा सकते हों जैसा कि उपयुक्त अधिकारी के अधिलेखों में वर्णित हो, का संवाय सम्यक् रूप से उक्त अधिकारी द्वारा उसके लिए लिखित मांग किए जाने की तारीख से पस दिन के भीतर कलक्टर/सहायक कलक्टर के लेखा में खजाने में सम्यक्तः जमा कर दिया जाता है;

और यह बाध्यता मूल्य हो जाएगी।

अथवा और इस शर्त की इसी भाग के अनुपालन में भंग या असफलता की अज्ञा में यह पूर्णतः प्रवृत्त होगा और सरकार, अपने विकल्प पर, सभी नुकसानों और हानि को प्रत्याभूति निक्षेप की रकम से या ऊपर लिखित बंधपत्र के अधीन अपने अधिकारों को प्रवृत्त करके या दोनों द्वारा पूरा करने के लिए सक्षम होगी।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि यह बंधपत्र, केन्द्रीय सरकार के आदेश के अधीन ऐसे कर्मों का निष्पादन करने के लिए दिया जा रहा है जिसमें जनता हितवद्द है।

स्थान :

ता रीख

माकी (2)

पता (2)

बाध्यताधारी

(बाध्यताधारियों के हस्ताक्षर

पिका (1)

उपजाँबिका (2)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से) आज तारीख को स्वीकार किया गया है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th September, 1990

NO. 33/90-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 757(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 191BB of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby specifies all excisable goods (hereafter in this notification referred to as the "intermediate goods") as goods whose removal from the place of manufacture shall be permitted without payment of duty for supply to manufacturers of all articles (hereafter in this notification referred to as the "resultant articles") subject to the following conditions, namely :—

- (i) the manufacturer of such intermediate goods holds an Advance Intermediate Licence or has applied for such licence to the Licensing Authority and has obtained an acknowledgement for the same, for supply of such goods to a manufacturer who is an holder of a Duty Exemption Entitlement Certificate and an Advance Licence under the Duty Exemption Scheme (hereafter in this notification referred to as the "ultimate exporter") ;
- (ii) the intermediate goods are supplied against an Advance Release Order to an ultimate exporter for use in the manufacture of resultant articles ;
- (iii) The quantity of intermediate goods removed without payment of duty of excise does not exceed the duty free entitlement indicated in part C of the Duty Exemption Entitlement Certificate issued to an ultimate exporter ;
- (iv) the intermediate goods are utilised by the ultimate exporter for manufacture of resultant articles to be exported or for use as replenishment of duty paid excisable goods of identical specifications and technical characteristics which have been used in the manufacture of resultant articles already exported in discharge of export obligations under a Duty Exemption Entitlement Certificate ;

Provided that the intermediate goods obtained for replenishment of duty paid excisable goods may be utilised for further production in the factory of the ultimate exporter or may be disposed of in such manner as may

be specified by the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of the ultimate exporter;

- (v) the ultimate exporter registers himself with the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory giving particulars and ground plan of the factory, description of each of the intermediate goods and resultant articles, the process of manufacture of such resultant articles, and such other particulars as may be specified by the said Assistant Collector;
- (vi) the ultimate exporter enters into a bond with the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory, with such security as may be specified by him, undertaking to pay an amount equivalent to the duty of excise leviable on intermediate goods, in the form annexed to this notification;
- (vii) the ultimate exporter applies to the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory in writing every time he desires to obtain intermediate goods and the provisions of Chapter VII of the Central Excise Rules, 1944, so far as they relate to the movement of excisable goods from one warehouse to another shall apply for movement of intermediate goods from the place of their manufacture, production or storage to the factory of the ultimate exporter;
- (viii) the ultimate exporter makes necessary arrangements for facilitating drawal of samples and subjecting them to such tests as may be directed by the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory;
- (ix) any waste or bye-product arising from the process of manufacture undertaken by the ultimate exporter on the intermediate goods obtained under this notification shall—
 - (a) be cleared on payment of duty; or
 - (b) be allowed to be used again for manufacture of resultant articles; or
 - (c) if found unfit for further use, be destroyed under the supervision of an officer of Central Excise in accordance with the procedure specified by the Assistant Collector;
- (x) the ultimate exporter exports the resultant articles within the period specified in the Duty Exemption Entitlement Certificate or within such extended period as may be permitted by the Licensing Authority or the Committee;
- (xi) the export of resultant products made out of intermediate products, namely, nylon fibre, nylon yarn, nylon fabrics, polyester

fibre, polyester yarn, polyester fabrics, stainless steel sheets, stainless steel strips, magnetic tapes, precious metals, metals clad with precious metals and articles thereof, be made only through—

- (a) any of the sea ports at Kandla, Bombay, Nhava Sheva, Cochin, Madras, Visakhapatnam and Calcutta; or
- (b) any of the airports at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras and Bangalore; or
- (c) any of the internal container depots at Delhi and Bangalore;
- (xii) the ultimate exporter maintains account of the intermediate goods and the resultant articles and exports thereof in the proforma specified under parts D, E, F and G of the Duty Exemption Entitlement Certificate;
- (xiii) the ultimate exporter submits within thirty days of the expiry of the period specified in condition (x), a detailed summary of the accounts maintained in the proforma specified in condition (xii), along with attested copies of the shipping bills, bills of lading and the Duty Exemption Entitlement Certificate with appropriate entries made by the officers of Customs in part F of the proforma indicating the export of the resultant articles.

Explanation.—For the purposes of this notification,—

- (a) "Advance Licence", "Advance Intermediate Licence", and "Duty Exemption Scheme" have the same meanings assigned to them in Chapter XIX of Import-Export Policy, April 1990—March 1993 Vol. I as published vide Public Notice of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)/90—93 dated the 30th March, 1990, as amended from time to time.
- (b) "Committee" means the Inter-Departmental Committee as constituted by the Central Government under the Office Memorandum of the Government of India in the Ministry of Commerce, Office of the Chief Controller of Imports and Exports No. 3/54/75-EPC, dated the 3rd December, 1975 and the Circular No. 9/30/85-EPC, dated the 28th June, 1985, and 168-ITC(PN)/88—91 dated 29-9-89, (F. No. 9/191/86-EPC), for the time being in force, or as reconstituted by the Central Government from time to time.
- (c) "Duty Exemption Entitlement Certificate" and "Advance Release Order" shall have the same meanings as assigned to them in Chapter XIX of the Handbook of Procedures April 1990—March 1993 Vol. I as published vide Public Notice

of the Government of India in the Ministry of Commerce No. 1-ITC(PN)90—93 dated 30-3-1990 as amended from time to time.

- (d) "Licensing Authority" means an authority competent to grant a licence under the Imports (Control) Order, 1955 made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947).

[F. No. 209/57/89-CX6]

H. K. MITTAL, Under Secy.

BOND (WITH SECURITY) TO BE ENTERED INTO BY THE MANUFACTURER OF ARTICLES FROM NON-DUTY-PAID EXCISABLE GOODS UNDER RULE 191-BB OF THE CENTRAL EXCISE RULES, 1944.

(Delete the letters and words not applicable)

I/We of hereinafter called the obligor(s) am/are jointly and severally bound to the President of India (hereinafter referred to as the Government) in the sum of rupees to be paid to the Government for which payment I/We jointly and severally bind myself/ourselves and my/our legal representatives.

Whereas the above bounden obligors have applied to the Assistant Collector of Central Excise at for, and obtained his permission vide Registration Certificate No. dated to manufacture the following articles, for export outside India, and to receive from time to time, for the manufacture of the said articles, the excisable goods indicated against each such articles in quantities at may be required by the obligor(s) but not exceeding the limits specified hereunder, without payment of duty from the place of the production or manufacture or storage as the case may be.

Description of the articles

Excisable goods required for manufacture.

Description Quantity not exceeding the following limits.

And whereas the Assistant Collector has required the obligor(s) to deposit as guarantee for the amount of this bond.

the sum of Rupees in cash

The securities as hereinafter mentioned of a total face value of rupees endorsed in favour of the Assistant Collector of Central Excise namely :—

And whereas the obligor(s) has/have furnished such guarantee by depositing with the Assistant Collector of Central Excise the Cash securities as aforementioned ;

Now the condition of this bond is that if the said obligor(s) shall undertake manufacture and export of articles as per provision of Rule 191BB read with notification issued thereunder to the satisfaction of the Assistant Collector.

And, if the obligor(s) shall not make any change in the nature or manner of manufacture specified in his/their application or use the said excisable goods for any purpose other than that stated in the application without prior approval of the Assistant Collector ;

And if he obligor(s) shall observe all the provisions of the Central Excise Rules, 1944 and all amendments therein issued from time to time, so far as they relate to the use of excisable goods without payment of duty in the manufacture of such articles and for removal of such articles for export ; and if all dues, whether excise duty, or other lawful charges which shall be demandable on the said articles and goods as shown by records of the proper officer be duly paid into the treasury to the account of the Collector/Assistant Collector within 10 days of the date of demand thereof being made in writing by the said officer.

This obligation shall be void.

Otherwise and on breach or failure in the performance of any part if this condition the same shall be in full force. AND the Government shall, at its option, be competent to make good all the loss and damages either from the amount of the guarantee deposit or by enforcing its rights under the above written bond or by both.

I/We declare that this bond is given under the orders of the Central Government for the performance of an act in which the public are interested.

Place :

Date :

Witness (1) Address (1)

Witness (2) Address (2)

Signature(s) of obligor(s)

Occupation (1)

Occupation (2)

Accepted by this day of 19

..... of Central Excise (for and on behalf of the President of India).

